दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 01.12.2021

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 01 दिसम्बर 2021 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश सरकार ने मेधावी छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रतिभाग हेतु महत्वाकांक्षी अभ्युदय कोचिंग योजना जो इस वर्ष महाविद्यालय में भी संचालित होनी है। इसके उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जिले के मुख्य विकास अधिकारी श्री इन्द्रजीत सिंह ने कहा कि प्रतियोगिता एक कठिन यात्रा होती है यह सही अर्थो में एक तपस्या है अगर इसमें प्रारम्भ में असफलता भी हो तो इसमें निराश होने की आवश्यकता नही है क्योंकि तप से ही सिद्धि मिलती है सोना भी आग में तप कर आभूषण बनता है। हर प्रतियोगी को निष्ठा और लगन के आधार पर ही अपने लक्ष्य का चयन करनी चाहिए। जिसके लिए अपनी सोच और धारणा को सकारात्मक रखना होगा। इसके अतिरिक्त इन्होनें छात्रों के अनेक प्रश्नो का उत्तर देते हुए उन्हे उनकी सफलता के लिए कई तरह के टिप्स भी दिये।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने महाविद्यालय में केन्द्र स्थापित करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी सहित समस्त आगत प्रशासनिक आधिकरियों को धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि अभी तक आप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अपने और अपने परिवार के सहयोग से करते थे। लेकिन अब आपके जीवन के उन्नयन में सरकार अपना योगदान देगी। जिसमें सिर्फ आप को अपने परिश्रम के बल पर सफलता प्राप्त करनी होगी। इन्होनें यह भी कहा कि हर एक प्रतियोगी को अपना सटीक आकलन करके ही लक्ष्य का चयन करना चाहिए। क्योकि सरकारी नौकरी में जबरजस्त प्रतिस्पर्धा है जिसके लिए प्रतिभागी को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार रहना होगा। इन्होनें साथ में यह भी कहा कि श्रम, समय, साधना और सौभाग्य के संतुलन से ही लक्ष्य की प्राप्ति सम्भव है।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आशुतोष पाण्डेय ने कहा कि कोंचिग एक मार्गदर्शन होता है पढाई आप को स्वतः करनी होगी और सफलता का कोई शार्टकट रास्ता नही होता।

इस योजना में विशेषज्ञ शिक्षको के अध्यापन के साथ–साथ जिले के प्रशासनिक अधिकारी भी निरंतर अपने परामर्श और अनुभव प्रदान करते रहेगें।

इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री बी.एन.सिंह ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव और परामर्श छात्रो को दिया। कार्यक्रम का संचालन समाज कल्याण के ही श्री त्रयम्बक त्रिपाठी ने किया। आभार ज्ञापन महाविद्यालय के अभ्युदय कोचिक योजना के समन्वयक डॉ. शशि प्रभा सिंह ने किया। इस अवसर पर जनपद स्तर पर स्कीनिंग में चयनित लगभग 300 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया।

डॉ.(ओम प्रकाश सिह)
प्राचार्य